

*India's broadband base is increasing. This is an interesting development and it augurs well for the future of Digital India campaign of the Govt. The future of the CATV community is also in its expansion into the broadband domain. This is the future for the satellite and cable industry to grow and sustain in the future. This issue features a report which highlights the growth of broadband in the Indian markets.*

*SCaT India Show and SCaT Magazine has continued to engage with the industry by hosting webinars. The first of the webinar was hosted on 3<sup>rd</sup> July & focussed on the topic 'The role of ISPs and Cloud Providers in the Pandemic & Developments in the Industry' powered by De-CIX. The other webinar/panel discussion on 'The Future of Satellite & Cable TV in India' scheduled on 10<sup>th</sup> July, features some of the leading industry stalwarts.*

*The growth of the CATV market is also highlighted in a report featured in this issue.*

*Meanwhile the Jio investment juggernaut continues unabated and the latest series of investments comes in from Intel. Jio investment spree has made RIL debt free. And in another major development, Jio—FB deal has got the clearance from CCI.*

*The tenure of R.S Sharma, Chairman of TRAI is likely to end in October and we could see a new chairman by October. R.S. Sharma's tenure as chairman saw some controversial notifications like NTO 2.0 and the Interoperability of STBs, which drew a sharp response from the broadcasters and the CATV community.*

*Indian Govt has barred Chinese companies like Huawei & ZTE from participating in the 5G rollout and Indian telcos have been urged not to use Chinese technology for their future upgrade. This could have an effect on the Indian CATV industry also, as most of them deploy Chinese products & technology.*

*Indian companies are now gearing up to bid for the 5G rollout. Interesting times are ahead, as we hope this leads to a more Atmanirbhar Bharat !*



(Manoj Kumar Madhavan)



भारत का ब्रॉडबैंड आधार बढ़ रहा है। यह एक दिलचस्प विकास है और यह भारत सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान के भविष्य के लिए अच्छा है। सीएटीवी समुदाय का भविष्य भी ब्रॉडबैंड डोमेन में अपने विस्तार में है। यह सैटेलाइट और केबल उद्योग के भविष्य को विकसित करने और बनाये रखने के लिए भविष्य है। इस मुद्दे से संबंधित एक रिपोर्ट प्रस्तुत है जिसमें भारतीय बाजारों में ब्रॉडबैंड के विकास पर प्रकाश डाला गया है।

स्कैट इंडिया शो और स्कैट मैगजीन ने वेबिनार की मेजबानी करके उद्योग के साथ अपने जुड़ाव को जारी रखा है। वेबिनार का पहला प्रसारण 3 जुलाई को होस्ट किया गया था, जो कि डि-सिक्स द्वारा संचालित था जिसमें 'उद्योग में महामारी व विकास में आईएसपी और क्लाउड प्रदायकों की भूमिका' पर ध्यान केंद्रित किया गया। 'भारत में सैटेलाइट व केबल टीवी के भविष्य' पर अन्य वेबिनार/पैनल विचार-विमर्श का आयोजन 10 जुलाई को किया जायेगा जिसमें उद्योग के दिग्गजों में कुछ हिस्सा लेंगे।

इस अंक में छपी एक अन्य रिपोर्ट में सीएटीवी बाजार के विकास पर प्रकाश डाला गया है।

इस बीच जियो निवेश का जुगाड़ बेरोकटोक जारी है और निवेश की नवीनतम श्रृंखला इंटेल से आयी है। जियो निवेश की होड़ ने आरआईएल को कर्ज मुक्त बना दिया है। एक और महत्वपूर्ण स्थिति विकास यह है कि जियो-एफबी सौदे को सीसीआई की मंजूरी मिल गयी है।

ट्राई के अध्यक्ष आर.एस. शर्मा का कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त होने की संभावना है और हमें अक्टूबर में नया अध्यक्ष देखने के लिए मिलेगा। श्री आर.एस.शर्मा के कार्यकाल के दौरान एनटीओ 2.0 व एमटीवी की इंटरऑपरेबिलिटी जैसी कुछ विवादास्पद अधिसूचना देखने को मिली, जिसे प्रसारकों व सीएटीवी समुदाय की ओर से तीखी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

भारत सरकार ने हुवाई और जेडटीएल जैसी चीनी कंपनियों को 5जी प्रस्तुतिकरण में भाग लेने से रोक दिया है और भारतीय टेलीकॉम से आग्रह किया है कि वे भविष्य में अपग्रेड के लिए चीनी तकनीकी के इस्तेमाल से परहेज करें। इसका असर भारतीय सीएटीवी उद्योग पर भी हो सकता है क्योंकि अधिकतर ने चीनी उत्पादों व तकनीकी का इस्तेमाल किया है।

भारतीय कंपनियां अब 5जी प्रस्तुतिकरण के लिए बोली लगाने के लिए कमर कस रही हैं। आगे काफी मजेदार समय है, क्योंकि हम आशा करते हैं कि यह हमें 'आत्मनिर्भर भारत' की ओर ले जायेगा।



(Manoj Kumar Madhavan)

